vinetur

तीसरी तिमाही में इटली की वाइन की बोतलबंदी में गिरावट घटकर 0.3% रही।

सितंबर में बोतलबंदी 4.9% बढ़ी, लेकिन ऊंचे भंडार के बीच रेड वाइन और IGT लेबलों की स्थिति कमजोर बनी रही।

बुधवार, 7 अक्टूबर 2026



तीसरी तिमाही में इटली की वाइन की बोतलबंदी में गिरावट लगभग थम गई। यह इस बात का अब तक का सबसे स्पष्ट संकेत है कि साल की शुरुआत में दिखी तेज कमजोरी कम हुई है, हालांकि रेड वाइन और निचले स्तर के अपीलीय वर्गों की हिस्सेदारी लगातार घट रही है।

Valoritalia की बिजनेस इंटेलिजेंस इकाई के आंकड़ों में 219 प्रमाणित अपीलीय क्षेत्रों को शामिल किया गया। इनके मुताबिक, जुलाई से सितंबर के दौरान बोतलबंदी एक साल पहले की इसी अवधि के मुकाबले 0.3% घटी। यह पहली तिमाही में दर्ज 7.7% की गिरावट और दूसरी तिमाही की 0.6% की कमी से काफी बेहतर था। 2026 के पहले नौ महीनों में बोतलबंदी कुल लगभग 9.86 मिलियन हेक्टोलिटर रही, जो 2025 की इसी अवधि से 3% और 2023-2025 के औसत से 4.2% कम है।

सितंबर में बोतलबंदी पिछले साल के इसी महीने की तुलना में 4.9% बढ़कर सकारात्मक दायरे में आ गई। आंकड़े व्यापक सुधार के बजाय स्थिरता की ओर इशारा करते हैं, लेकिन बताते हैं कि साल की कठिन शुरुआत के बाद गिरावट की रफ्तार काफी धीमी हुई है।

यह सुधार ऐसे बाजार में हुआ है जो कमजोर मांग और व्यापार संबंधी अनिश्चितता के दबाव में है। Valoritalia की रिपोर्ट में International Organisation of Vine and Wine के आंकड़ों का हवाला दिया गया, जिनके मुताबिक 2025 में वैश्विक वाइन खपत 2.7% घटी, जबकि यूरोपीय संघ में यह गिरावट 3.1% रही। रिपोर्ट में Nomisma Wine Monitor के आंकड़ों का भी उल्लेख था : 2026 के पहले सात महीनों में 12 प्रमुख वैश्विक बाजारों में वाइन आयात का मूल्य 11% घटा, जबकि अमेरिका में यह कमी 23% थी।

कुल तस्वीर के भीतर अलग-अलग श्रेणियों का प्रदर्शन काफी भिन्न रहा। DOC वाइन की बोतलबंदी तीसरी तिमाही में एक साल पहले की तुलना में 5% बढ़ी, जबकि DOCG वाइन में 4.9% की वृद्धि हुई। पहले नौ महीनों में DOC की बोतलबंदी 0.5% और DOCG की 0.2% घटी, जिससे साल-दर-साल अब तक दोनों श्रेणियों का प्रदर्शन लगभग स्थिर रहा।

IGT वाइन का रुझान इसके उलट रहा। तीसरी तिमाही में इनकी बोतलबंदी 18.9% घटी और साल के पहले नौ महीनों में 13% कम रही। यह अंतर दिखाता है कि इटली का वाइन बाजार एक समान गति से उबर नहीं रहा है और अधिक प्रमाणन वाली श्रेणियां व्यापक वर्गीकरणों की तुलना में बेहतर टिक रही हैं।

वाइन की शैली के आधार पर यह अंतर और भी स्पष्ट है। तीसरी तिमाही में बिना बुलबुले वाली व्हाइट वाइन 6.7% बढ़ी, जबकि व्हाइट स्पार्कलिंग वाइन में 7.6% की वृद्धि हुई। इसी अवधि में रेड वाइन 6.7% घटी। पहले नौ महीनों में बिना बुलबुले वाली व्हाइट वाइन 1.8% और व्हाइट स्पार्कलिंग वाइन 1.3% बढ़ी, जबकि रेड वाइन 8.8% घटी।

यह अंतर तात्कालिक उत्पादन आंकड़ों से आगे भी मायने रखता है, क्योंकि आने वाले महीनों में इससे वाइनरी, वितरक और पेय कारोबार की अन्य कंपनियां अपनी खरीद की योजना और उत्पाद-मिश्रण तय कर सकती हैं। अगर मांग रेड वाइन के बजाय व्हाइट और स्पार्कलिंग वाइन को तरजीह देती रही, तो उत्पादकों को बाजार को एक ही दिशा में बढ़ता मानने के बजाय उत्पादन, भंडार और व्यावसायिक रणनीति में उसी के अनुसार बदलाव करना पड़ सकता है।

क्षेत्रीय नतीजों में भी अंतर रहा। पहले नौ महीनों में मध्य इटली में बोतलबंदी 4.7% और पूर्वोत्तर में 4.1% घटी। उत्तर-पश्चिमी इटली में 1.4% की बढ़ोतरी के साथ फिर वृद्धि दर्ज हुई। दक्षिणी इटली में 26.7% की बढ़त रही, हालांकि Valoritalia के दायरे में वहां मात्रा काफी कम थी।

Valoritalia ने कहा कि देशभर में नमूने का प्रतिनिधित्व समान नहीं है, इसलिए भौगोलिक आंकड़ों को सावधानी से देखना चाहिए। संस्था के मुताबिक, उत्तरी क्षेत्रों में उसके प्रमाणित वाइन का हिस्सा कुल उत्पत्ति-नाम वाली वाइन की मात्रा के 90% से अधिक है, इसलिए उत्तर के लिए ये आंकड़े विशेष रूप से महत्वपूर्ण हैं।

किसी भी मजबूत सुधार के रास्ते में भंडार अब भी एक बड़ी बाधा है। 31 जुलाई तक—नई विंटेज के सिस्टम में आने से पहले और सांख्यिकीय आधार पर तुलनीय आखिरी महीने के आंकड़ों के अनुसार—भंडार लगभग 15.96 मिलियन हेक्टोलिटर था, जबकि एक साल पहले यह 13.67 मिलियन हेक्टोलिटर था। यह 16.8% की वृद्धि है।

भंडार का ऊंचा स्तर बताता है कि तीसरी तिमाही में बोतलबंदी आपूर्ति को खपाने में भले बेहतर रही हो, लेकिन नई फसल के समय बाजार में वाइन की भारी मात्रा मौजूद है। उपलब्ध उत्पाद और अंतिम मांग के बीच संतुलन साल के बाकी समय में उत्पादकों और कारोबारियों के लिए एक अहम मुद्दा बने रहने की संभावना है।

Valoritalia के अध्यक्ष Francesco Liantonio ने कहा कि 2026 की शुरुआत की मुश्किलों के बाद तीसरी तिमाही के आंकड़े उत्साहजनक संकेत हैं, लेकिन इन्हें लंबे समय तक चलने वाले बदलाव का प्रमाण नहीं मानना चाहिए। उन्होंने

कहा कि बोतलबंदी का लगभग स्थिर होना और DOC तथा DOCG वाइन की वृद्धि में लौटना, भू-राजनीतिक तनाव, व्यापारिक अनिश्चितता और बदलती खपत के रुझानों से बने अंतरराष्ट्रीय माहौल के बावजूद, क्षेत्र की प्रतिक्रिया देने की क्षमता दिखाता है।

Liantonio ने बाजार के असमान प्रदर्शन की ओर भी ध्यान दिलाया। उनके मुताबिक, व्हाइट और स्पार्कलिंग वाइन का प्रदर्शन रेड वाइन से और DOC तथा DOCG वाइन का प्रदर्शन IGT से काफी बेहतर रहा। उन्होंने कहा कि प्रमाणन गतिविधियों से जुटाए गए आंकड़े कंपनियों और कंसोर्टियम को इन बदलावों की जल्द पहचान करने में मदद कर सकते हैं।

इन आंकड़ों के आधार पर अभी यह नहीं कहा जा सकता कि इटली की वाइन का कारोबार पूरी तरह फिर से गति पकड़ चुका है। हालांकि, वे पहली तिमाही के रुझान से साफ बदलाव दिखाते हैं, जब गिरावट कहीं अधिक तेज थी। पेय क्षेत्र की कंपनियों के लिए इससे कारोबार की तस्वीर अधिक जटिल हो जाती है : मात्रा अब उसी रफ्तार से नहीं घट रही, लेकिन अलग-अलग श्रेणियों का प्रदर्शन बंटा हुआ है, निर्यात मांग नाजुक बनी हुई है और अंतिम तिमाही की शुरुआत में भी बाजार पर भारी भंडार का दबाव है।